# नालों की सफाई और आवारा पशुओं पर कार्रवाई तेज-नपाध्यक्ष गेहलोत

नागदा जं. निप्र। नगर पालिका अध्यक्ष संतोष ओपी गेहलोत के निर्देशन में शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं जलभराव मुक्त बनाने के उद्देश्य से बरसात पूर्व विशेष स्वच्छता अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत बड़े नालों एवं नालियों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रतिदिन नगर पालिका की टीम द्वारा मैन्युअल एवं मशीनों की सहायता से सफाई एवं गहरीकरण कार्य किया जा रहा है।

नपाध्यक्ष श्रीमती गेहलोत ने बताया कि जिन वार्डों एवं क्षेत्रों में बड़े नाले स्थित हैं, वहां पोकलेन श्रब्द जैसी मशीनों के माध्यम से गहरीकरण कर वर्षा जल की सुचारु निकासी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने जानकारी दी कि वार्ड 25 के विद्यानगर, जेपी पैलेस के सामने स्थित नाला, इंदुभाई कॉलोनी का नाला तथा वार्ड 21 के बेरछा रोड क्षेत्र के नालों की सफाई एवं गहरीकरण कार्य प्रगतिरत होकर कही कार्य पूर्ण हो गया है। वहीं अन्य प्रमुख नालों को भी चिन्हित कर चरणबद्ध रूप से बड़ी पोकलेन एवं श्रब्द जैसी मशीनों द्वारा सफाई एवं गहरीकरण कराया जाएगा।

नगर पालिका के सफाई कर्मचारी मैन्युअल रूप से छोटी नालियों की सफाई में भी निरंतर जुटे हुए हैं। अशोक कॉलोनी, जी-ब्लॉक टापरी क्षेत्र, इमामबाड़ा, कीलकीपुरा, बड़ौदा बैंक के सामने, राजीव कॉलोनी एवं उर्दू स्कूल के सामने सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नालियों में नियमित रूप से कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी किया जा रहा है। साथ ही मच्छरों के बढ़ते प्रकोप की रोकथाम के लिए प्रतिदिन रात्रि में एक से दो वार्डों में फॉगिंग मशीन के माध्यम से धुआं किया जा रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित हो सके।

नपाध्यक्ष श्रीमती गेहलोत ने बताया कि नगर का मुख्य नाला बस स्टैंड के समीप निर्माणाधीन प्रमुख बड़ा नाला भी अंतिम चरण में है। इसके पूर्ण होने पर अनेक वार्डों को जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा वर्षा जल निकासी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए सांसद प्रतिनिधि एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि ओ.पी. गेहलोत तथा नगर पालिका उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शर्मा सभापति भावना सुभाष रावल, बबिता जी रघुवंशी एवं सम्पूर्ण परिषद के साथियो द्वारा प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नालों एवं नालियों में कचरा न डालें तथा घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाला कचरा नगर पालिका की कचरा गाड़ी में ही दें। नागरिकों के सहयोग से ही स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ नागदा का निर्माण संभव है। नपाध्यक्ष ने सभी पार्षदों से आग्रह किया की वे भी अपने अपने वार्डों मे प्रतिदिन होने वाली साफ सफाई, जल प्रदाय एवं अन्य निकाय से जुडी व्यवस्था को देखे कही भी कोई शिकायत हो तो वार्ड मेट या अन्य सम्बंधित अधिकारियो को तुरंत सूचित करे।

### आवारा गौवंश एवं सांडों के विरुद्ध विशेष अभियान

वार्ड पार्षदों की शिकायतों एवं नपाध्यक्ष श्रीमती गेहलोत के निर्देशानुसार नगर में आवारा घूम रहे गौवंश एवं उत्पात मचा रहे सांडों के विरुद्ध भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी पशुपालकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी पालतू गायों को खुला न छोड़ें तथा उन्हें अपने बाड़ों अथवा निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित रखें। नगर पालिका की टीम द्वारा सड़कों पर घूमते पाए जाने वाले गौवंश को पकड़कर गौशाला भेजा जा रहा है। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को बाधित करने एवं दुर्घटनाओं का कारण बन रहे उत्पाती सांडों को शहर से बाहर सुरक्षित स्थानों पर भेजने के लिए विशेष टीम गठित की गई है। नगरवासियों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने पशुओं की उचित देखभाल करें उन्हें खुला ना छोड़े, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी या दुर्घटना का सामना न करना पड़े।

## सावरकरजी के नाम को विवाद में घसीटना दुर्भाग्यपूर्ण, दोषियों पर हो कार्रवाई-अभय चोपड़ा

नागदा जं. निप्र। नागरिक अधिकार मंच के जिलाध्यक्ष अभय चोपड़ा ने बद्री विशाल मार्ग के नामकरण विवाद में स्वातंत्र्यवीर सावरकर के नाम को अनावश्यक रूप से विवाद में लाने की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि सावरकरजी जैसे महान राष्ट्रभक्त और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम किसी स्थानीय विवाद का विषय बनाना न केवल अनुचित है, बल्कि करोड़ों राष्ट्रवादियों एवं देशभक्त नागरिकों की भावनाओं को भी आहत करने वाला कृत्य है। उन्होंने भाजपा विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान तथा भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ को आगाह करते हुए कहा कि यदि इस मामले की गंभीरता से जांच नहीं हुई तो इसका राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकता है। उनके अनुसार भाजपा के परंपरागत समर्थक पोरवाल समाज और राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े मतदाताओं को भ्रमित एवं विचलित करने का प्रयास किया गया है। चोपड़ा ने कहा कि यदि किसी ने जानबूझकर सावरकरजी के नाम को विवाद में लाकर सामाजिक एवं राजनीतिक तनाव पैदा करने का प्रयास किया है, तो ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए तथा भविष्य में महापुरुषों के नामों का राजनीतिक या विवादित उपयोग रोकने के लिए स्पष्ट नीति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी दल, वर्ग या समाज विशेष की संपत्ति नहीं होते, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रेरणा होते हैं। उनके नाम का उपयोग समाजों को बांटने या राजनीतिक लाभ लेने के लिए किया जाना अत्यंत निंदनीय है। नागरिक अधिकार मंच ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन लोकतांत्रिक एवं वैधानिक माध्यमों से व्यापक जनआंदोलन चलाने पर विचार करेगा।

# मानसिक प्रताड़ना एवं झूठे आरोपों से परेशान वृद्ध संत ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

सैलाना। रामद्वारा परिसर सैलाना निवासी 75 वर्षीय संत रामविलास शास्त्री ने जिला पुलिस अधीक्षक रतलाम को आवेदन सौंपकर सैलाना निवासी मदनलाल कुमावत एवं पन्नालाल कुमावत पर मानसिक प्रताड़ना, अनावश्यक दबाव बनाने तथा झूठे आरोप लगाकर माहौल खराब करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच एवं सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है।

**आरोपों और मानसिक तनाव के बीच बिगड़ी वृद्ध संत की तबीयत, रतलाम के निजी चिकित्सालय में कराया गया उपचार**

संत रामविलास शास्त्री ने अपने आवेदन में बताया कि वे वृद्धावस्था में हृदय रोग, पैरालिसिस सहित कई गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं तथा उनके जीवन-यापन एवं उपचार का खर्च उनके आधिपत्य की भूमि से प्राप्त आय से संचालित होता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विगत दिनों मदनलाल कुमावत एवं पन्नालाल कुमावत उनके निवास पर पहुंचे और रामद्वारा परिसर में नियमित निःशुल्क भंडारा संचालित करने के लिए दबाव बनाने लगे। स्वास्थ्य एवं आर्थिक परिस्थितियों का हवाला देकर असमर्थता जताने के बाद उनके विरुद्ध अनावश्यक आरोप लगाए जाने लगे।

आवेदन में संत शास्त्री ने स्पष्ट किया कि नगर परिषद सैलाना के अभिलेखों में दर्ज भवन क्रमांक 05 स्थित भूमि पर उनके गुरु स्वर्गीय निर्मलराम शास्त्री का दाह संस्कार हुआ था, जहां उनके पदचिह्न एवं अस्थियां स्थापित थीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में 11 कर्मकांडी पंडितों की

उपस्थिति में विधि-विधान से अस्थियों का उज्जैन स्थित पवित्र क्षिप्रा नदी में विसर्जन किया गया था।

उन्होंने आवेदन में यह भी उल्लेख किया कि संबंधित संपत्ति उन्हें गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत पंजीकृत वसीयतों के माध्यम से प्राप्त हुई है। उक्त संपत्ति नगर परिषद सैलाना के अभिलेखों में भवन क्रमांक 05 के रूप में दर्ज है तथा नगर परिषद की स्थापना के बाद से ही भवन कर, नल कर एवं अन्य निर्धारित करों का नियमित भुगतान किया जाता रहा है।

वहीं रामद्वारा आश्रम पृथक रूप से भवन क्रमांक 04 के रूप में दर्ज है, जिसके धार्मिक स्वरूप के कारण नगर परिषद में कर भुगतान नहीं किया जाता है। भूमि एवं भवन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, कर रसीदें एवं अन्य अभिलेख उपलब्ध होने का भी उल्लेख आवेदन में किया गया है।

संत शास्त्री ने बताया कि वर्तमान में उनकी देखभाल उनकी छोटी बहन एवं भांजा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका भांजा वर्ष 2012 से उनकी अनुमति से उक्त भूमि पर विद्यालय का संचालन कर रहा है तथा पत्रकारिता कार्य से भी जुड़ा हुआ है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि उसे भी अनावश्यक रूप से विवादों में घसीटकर परेशान किया जा रहा है।

आवेदन के अनुसार उक्त घटनाक्रम के बाद संत रामविलास शास्त्री की मानसिक स्थिति प्रभावित हुई और वे तनाव में आ गए। परिजनों द्वारा उन्हें उपचार हेतु रतलाम के एक निजी चिकित्सालय में ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ।

परिजनों का कहना है कि संत रामविलास शास्त्री की अचानक तबीयत बिगड़ने का प्रमुख कारण लगातार बना मानसिक तनाव है। उनका आरोप है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। परिजनों ने बताया कि संत रामविलास शास्त्री की आयु एवं स्वास्थ्य को देखते हुए उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उनके अनुसार संत ने भी परिवार के समक्ष अपनी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

संत रामविलास शास्त्री ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच कराने, मानसिक प्रताड़ना के संबंध में उचित कार्रवाई करने तथा स्वयं, अपनी छोटी बहन एवं भांजे को सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है।

# आष्टा में 80 कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न

आष्टा। सत्यजा सेवा संस्था द्वारा सोमवार को मानस भवन प्रांगण में भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 80 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों, गायत्री मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। आयोजन में नगर एवं ग्रामीण अंचल के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए तथा नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

**सत्यजा सेवा संस्था के आयोजन में 80 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, दूल्हों की निकली पैदल शोभायात्रा**

कार्यक्रम सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुआ। सभी वर-वधू मानस भवन परिसर में एकत्रित हुए, जहां से दूल्हों की पैदल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मानस भवन से प्रारंभ होकर गल चौराहा, मां राजराजेश्वरी मंदिर, गांधी चौक, सिकंदर बाजार, शीतला माता मंदिर, ब्लैक भवन रोड, बुधवारा होते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस दौरान सभी दूल्हों ने शीतला माता मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

### पहली बार निकली दूल्हों की पैदल शोभायात्रा

आयोजन की विशेषता यह रही कि सभी 80 दूल्हों की शोभायात्रा बिना घोड़े, बग्गी या किसी वाहन के पूरी तरह पैदल निकाली गई। शहर के प्रमुख मार्गों से निकले इस अनूठे चल समारोह में समिति के पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के सदस्य एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

### वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए विवाह संस्कार

शोभायात्रा के बाद मानस भवन परिसर में गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं गायत्री मंत्र के साथ सभी जोड़ों का विवाह संस्कार संपन्न कराया गया।

सात फेरों के साथ वर-वधू वैवाहिक बंधन में बंधे। समारोह में उपस्थित लोगों ने नवदंपतियों को सुखद एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं।

संस्था अध्यक्ष संजीव सोनी ने बताया कि लगभग 7500 से अधिक लोगों की उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हिंदू उत्सव समिति, मानस भवन समिति, शीतला माता मंदिर समिति, सकल समाज, व्यापार महासंघ एवं श्रीराम मंदिर समिति सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

### संत दीपक दास महाराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ आयोजन

सामूहिक विवाह सम्मेलन महामंडलेश्वर संत दीपक दास महाराज के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि महेंद्र सिंह इंजीनियर, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रीता सोनी, सत्यनारायण कमरिया, नारायण मुकाती, दिनेश सोनी साडलीवाल, नरेंद्र कुशवाह, रूपेश राठौर, जितेंद्र साहू, सुशील संचेती सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण रूपेश राठौर ने दिया तथा सामूहिक विवाह सम्मेलन की सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डाला। संचालन द्वारका सोनी राजहंस ने किया। संस्था के महामंत्री पंकज यादव सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

### समाजसेवियों ने निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

समारोह की भोजन व्यवस्था माखनलाल सोनी, दिनेश सोनी एवं धरम सोनी परिवार द्वारा की गई। कन्याओं के दहेज की व्यवस्था राजकुमार साहू एवं जितेंद्र साहू ने की, जबकि पेयजल व्यवस्था किशोरीलाल कुशवाह द्वारा संभाली गई।

### भावुक माहौल में हुई बेटियों की विदाई

कार्यक्रम के अंत में कन्याओं की विदाई के दौरान भावुक माहौल बन गया। संस्था अध्यक्ष संजीव सोनी ने सभी नवविवाहित बेटियों को लाल चुनरी ओढ़ाकर विदा किया।

नवदंपतियों के सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय जीवन की कामना के साथ समारोह का समापन हुआ।

### कथा आयोजन मौसम के कारण हुआ निरस्त

उल्लेखनीय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 से 8 जून तक बागेश्वर धाम सहित अन्य संतों की कथाओं का आयोजन प्रस्तावित था, लेकिन तेज हवा, आंधी और बारिश की संभावना के चलते प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने पर कथा कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। इसके बाद संस्था द्वारा केवल सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया।

# सैलाना नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं का मिलन समारोह संपन्न

सैलाना। रविवार का दिन सैलाना विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए स्नेह पूर्ण और ऐतिहासिक रहा, कारण था भाजपा की दो दिग्गज नेताओं का एक मंच पर आना पिछले कई वर्षों से सैलाना विधानसभा व सैलाना नगर भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन के बिच पार्टी में फुट अनबन कि चर्चा हमेशा रहती थी।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक संगीता चारेल और भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष क्रांति जोशी एक मंच साझा करते हुए कार्यकर्ताओं को अपने मन की बात साझा की जिला उपाध्यक्ष क्रांति जोशी ने कहा की हम उस पार्टी के लोग हैं जहां राष्ट्र प्रथम होता है पार्टी के कार्यकर्ता हमारा परिवार है और हमारे परिवारजन कार्यकर्ताओं के लिए हम हमेशा खड़े रहे हैं।

पूर्व विधायक संगीता चारेल ने कहां कि पार्टी हित में तथा कार्यकर्ताओं के हित में मैं कभी ऐसा काम नहीं करूंगी जिससे मेरी और पार्टी की छवि खराब हो और कहा कि मेरे लिए मेरी पार्टी के कार्य कर्ता ही मेरी असली पूंजी है जनहित के मुद्दों के लिए हम हमेशा आपके साथ हैं पूर्व विधायक संगीता चारेल व जिला उपाध्यक्ष क्रांति जोशी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर व पुष्प माला पहनाकर आपसी मतभेद की बातो को पूर्णतः विराम लगा दिया।

वही दोनों नेताओं का आपसी सामंजस्य बिठाकर पार्टी कार्यकर्ताओं की एक साथ बैठक कर मंडल अध्यक्ष पंकज राठौर द्वारा भी अपना रुख साफ कर दिया गया ओर संदेश दिया कि पार्टी और कार्यकर्ता के हित में वह मजबूती के साथ काम करते रहेंगे इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारीयों के कार्यों पर भी गहरा मंथन किया गया. इस अवसर पर शैतान सिंह पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र जायसवाल पार्षद विशाल धभाई नेता प्रतिपक्ष मुकेश पटेल किशोर कसेरा एल्डरमैन सपना खराड़ी नाथूलाल राठौर वर्दी चंद पाटीदार रवि शर्मा मंडल उपाध्यक्ष अंकिका पाटीदार सौरभ राका गोपाल जाट लखन चंदेल अनुकूल सोनी पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष नंदकिशोर राठौर दिनेश आसरा संतोष धभाई संजय जैन बाबूलाल पाटीदार सुरेंद्र मेहता ललित कसेरा रवि चंडालिया ललित चंडालिया ईश्वर कुमावत शेर सिंह राठौड़ सोनू राठौर विश्राम पडियार सुनील राठौर बिट्टू ठाकुर अजय दायमा हिम्मत पाटीदार राहुल पाटीदार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# जीवन के विकल्पों को छोड़कर निर्विकल्प बनने का प्रयास करें - मुनि प्रणम्यसागर जी

## धर्मसभा में गुरुपूजन के साथ हुए प्रवचन – प्रतिदिन गुरु सानिध्य में होंगे आयोजन

मन्दसौर। धर्म का स्वरूप व्यापक है, ना पूजा पाठ अभिषेक करना धर्म है ना ही केवल मंदिर जाना, दान पुण्य करना, मदद या सेवा करना धर्म है। धर्म तो भीतर से प्रकट होने वाली आत्मिक शांति का नाम है। जो हमें सुख शांति प्रदान करके जीवन जीने का सही मार्ग बताएं उसका नाम धर्म है। जिससे चित्त एकाग्र व प्रसन्न हो वह क्रिया धर्म है।

उक्त उद्गार 'अहं योग प्रणेता' मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने बीपीएल चौराहा स्थित तार बंगला मंदिर परिसर में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मुनिश्री ने जीवन जीने की कला सिखाते हुए कहा समय की कीमत समझें, जीवन में बैलेंस बनाने का प्रयास करें। जीवन के हर कार्य में हमारे पास दो विकल्प रहते हैं सफल होने के लिए श्रेष्ठ का चुनाव करें, सक्सेस का सीक्रेट यही है। मुनिश्री ने कहा अपने जीवन की तुलना दूसरों से करना बंद कर दें, हमारे जीवन की सफलता हमारी संतुष्टि में है, आपने कहा दूसरों की राय लेकर अपनी राह ना बनायें, स्वयं के जीवन के निर्णय खुद ही लें। धर्मसभा में बैठने से एकाग्रता आती है जो हमारी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाती है। आपने कहा जीवन में विकल्पों को छोड़कर निर्विकल्प बनने का प्रयास करें। यह जानकारी देते हुए डॉ. चंदा भरत कोठारी ने बताया पूज्य मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के प्रवचनों को सुनने के लिए दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

प्रारंभ में मंगलाचरण श्रीमती नीधि संजय पंड्या व सरोज नितिन कासलीवाल ने किया। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन सर्वश्री जयकुमार बड़जात्या, सूरजकुमार बाकलीवाल डॉ. वीरेन्द्र गांधी, राजमल गर्ग व वीरेन्द्र जैन ने किया, मुनिश्री के चरण प्रक्षालन श्री अजीत कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार, सारिका दोशी परिवार द्वारा किये गये।

मुनिश्री के कर कमलों में शास्त्र भेंट करने वालों में श्री भरतकुमार कोठारी, विनोद जैन कुचडौद, प्रदीप चौधरी, विशाल गोदावत, संजय कोठारी व भूपेन्द्र कोठारी व जयपुर से आए श्रद्धालु शामिल थे।

मुनिवर की अष्ट द्रव्य से विशेष पूजन की गई, जो ऐलक श्री अनुनयसागर जी महाराज व ब्रह्मचारिणी अर्पणा दीदी द्वारा करवाई गई। पाण्डाल में मौजूद सैकड़ों श्रावकों ने मुनिश्री की जयजयकार करते हुए अर्घ्य भेंट किये।

जिनवाणी स्तुति के साथ धर्मसभा सम्पन्न हुई। संचालन डॉ. चंदा भरत कोठारी ने किया।

मुनि प्रणम्यसागर जी प्रवास समिति के अध्यक्ष श्री जयकुमार बड़जात्या ने बताया प्रतिदिन प्रातः 8 बजे मुनि श्री के प्रवचन, 9.30 बजे संघ की आहार चर्या, दोपहर 3 बजे तत्वचर्चा व स्वाध्याय, शाम 7 बजे जिज्ञासा समाधान, गुरु भक्ति व आरती तथा रात्रि 8.30 बजे वैयावृत्ति का समय निर्धारित किया गया है। जिसमें सभी समाजजन सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।